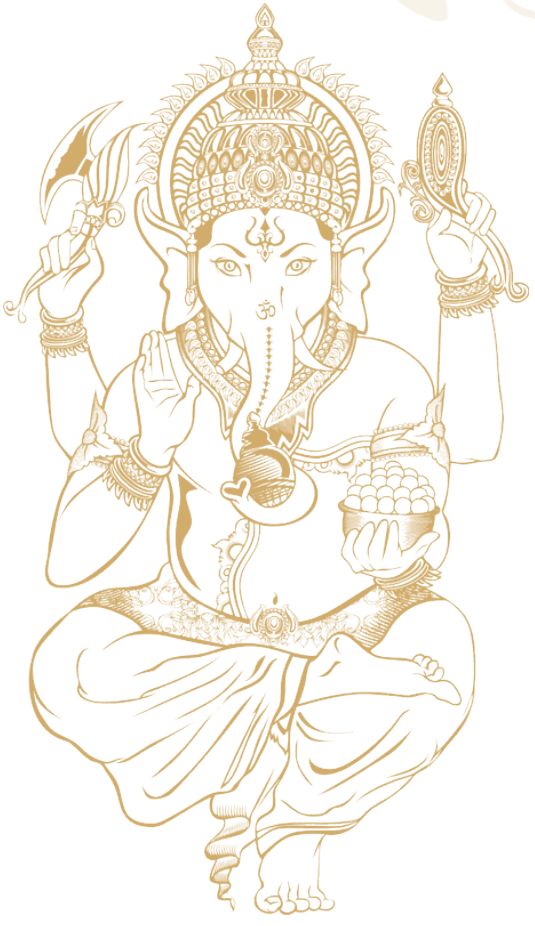

Devendra

10 Sep 1987

11:10 AM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121199804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/09/1987**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:10:00 घंटे**
इष्ट	12:53:37 घटी
स्थान	**Hathras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:36:00 उत्तर
रेखांश	78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:52:08 घंटे
वेलान्तर	00:02:46 घंटे
साम्पातिक काल	10:07:03 घंटे
सूर्योदय	06:00:33 घंटे
सूर्यास्त	18:29:06 घंटे
दिनमान	12:28:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:18:28 सिंह
लग्न के अंश	00:13:53 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	चा-चाणक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:13:53	308:34:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	23:18:28	00:58:17	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			मीन	26:26:00	13:52:26	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	18:02:10	00:38:15	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध			कन्या	10:34:13	01:34:31	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
गुरु	व		मेष	05:17:36	00:04:09	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	28:12:38	01:14:31	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	21:14:07	00:02:06	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			मीन	08:41:23	00:00:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	08:41:23	00:00:38	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	29:03:52	00:00:26	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	11:33:32	00:00:14	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	14:16:05	00:01:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			सिंह	05:58:22	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:06

लग्न-चलित

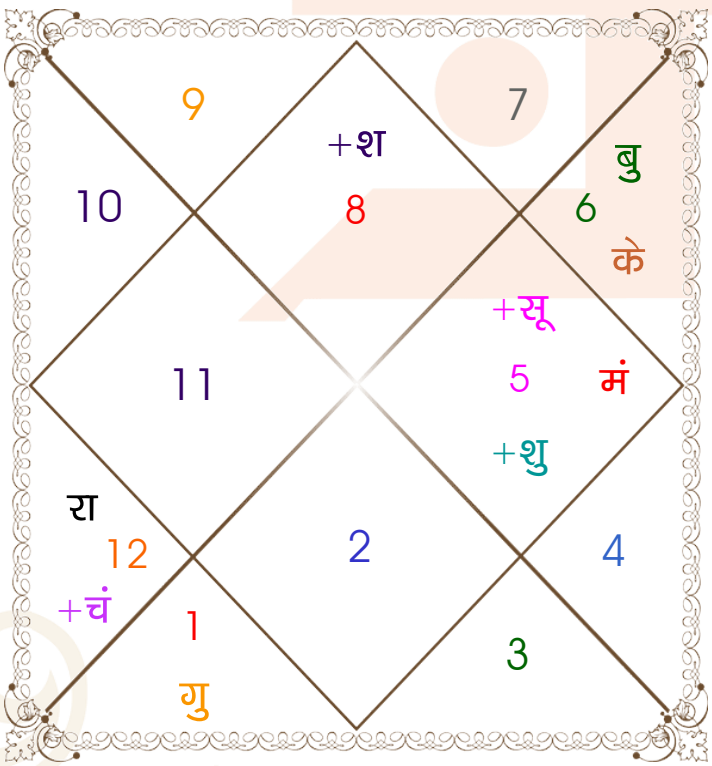

चन्द्र कुंडली

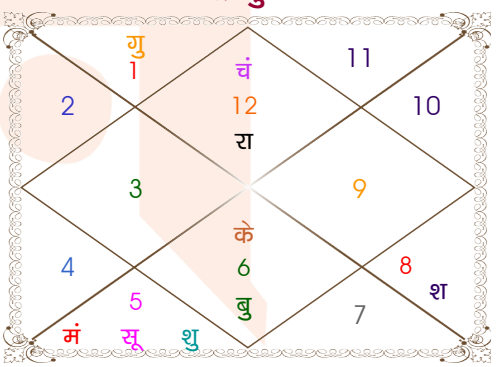

नवमांश कुंडली

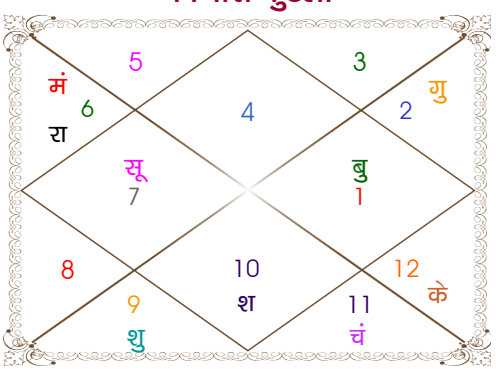

Shivshakti jotish sadan
Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India
8077312012,9412412012
acharyaji12012@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 6 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/09/1987		28/03/1992		29/03/1999		29/03/2019		28/03/2025	
28/03/1992		29/03/1999		29/03/2019		28/03/2025		29/03/2035	
	00/00/0000	केतु	24/08/1992	शुक्र	28/07/2002	सूर्य	16/07/2019	चंद्र	27/01/2026
	00/00/0000	शुक्र	24/10/1993	सूर्य	28/07/2003	चंद्र	15/01/2020	मंगल	28/08/2026
	00/00/0000	सूर्य	01/03/1994	चंद्र	28/03/2005	मंगल	22/05/2020	राहु	27/02/2028
	00/00/0000	चंद्र	30/09/1994	मंगल	28/05/2006	राहु	16/04/2021	गुरु	28/06/2029
	00/00/0000	मंगल	26/02/1995	राहु	28/05/2009	गुरु	02/02/2022	शनि	27/01/2031
	00/00/0000	राहु	16/03/1996	गुरु	27/01/2012	शनि	15/01/2023	बुध	27/06/2032
	10/09/1987	गुरु	20/02/1997	शनि	29/03/2015	बुध	21/11/2023	केतु	26/01/2033
गुरु	19/07/1989	शनि	01/04/1998	बुध	27/01/2018	केतु	28/03/2024	शुक्र	27/09/2034
शनि	28/03/1992	बुध	29/03/1999	केतु	29/03/2019	शुक्र	28/03/2025	सूर्य	29/03/2035

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/03/2035		28/03/2042		28/03/2060		28/03/2076		29/03/2095	
28/03/2042		28/03/2060		28/03/2076		29/03/2095		00/00/0000	
मंगल	25/08/2035	राहु	09/12/2044	गुरु	16/05/2062	शनि	01/04/2079	बुध	24/08/2097
राहु	11/09/2036	गुरु	04/05/2047	शनि	26/11/2064	बुध	09/12/2081	केतु	22/08/2098
गुरु	18/08/2037	शनि	10/03/2050	बुध	04/03/2067	केतु	18/01/2083	शुक्र	22/06/2101
शनि	27/09/2038	बुध	27/09/2052	केतु	08/02/2068	शुक्र	19/03/2086	सूर्य	29/04/2102
बुध	24/09/2039	केतु	15/10/2053	शुक्र	09/10/2070	सूर्य	01/03/2087	चंद्र	28/09/2103
केतु	20/02/2040	शुक्र	15/10/2056	सूर्य	28/07/2071	चंद्र	30/09/2088	मंगल	25/09/2104
शुक्र	22/04/2041	सूर्य	09/09/2057	चंद्र	26/11/2072	मंगल	08/11/2089	राहु	14/04/2107
सूर्य	27/08/2041	चंद्र	10/03/2059	मंगल	02/11/2073	राहु	14/09/2092	गुरु	11/09/2107
चंद्र	28/03/2042	मंगल	28/03/2060	राहु	28/03/2076	गुरु	29/03/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 7 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।